हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 190 देहरादून, शनिवार, 20 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 35 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

3

सुन्दरकांड का पाठ एवं भजन संध्या में राममय हुआ मुख्यमंत्री आवास

प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री सहित मंत्रीगणों एवं विधायकों द्वारा सुन्दरकांड का किया गया पाठ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनद, 20 जनवरी : मुख्यमंत्री आवास में प्रभु श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में सुन्दरकांड के पाठ के आयोजन के साथ भव्य श्रीराम संध्या आयोजित हुई। भजन गायिका स्वाति मिश्रा एवं विवेक नौटियाल की टीम द्वारा प्रस्तुत किये गये सुन्दरकांड के सस्वर पाठ के भजनों से पूरा वातावरण राममय तथा सभी लोग श्रीराम की भक्ति में भव विभोर नजर आये। सुन्दरकांड के सस्वर सुन्दर पाठ से वातावरण और अधिक भक्तिपूर्ण बन गया था। सुन्दरकांड का पाठ करने वाली टीम में पंकज नौटियाल, सुधाशु रतूड़ी तथा शिवा भट्ट भी सामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने भजन गायिका स्वाति मिश्रा को किया सम्मानित

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने स्वयं भी सपरिवार सुन्दरकांड का पाठ किया तथा भगवान राम की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ प्रदेश की खुशहाली एवं प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने भजन गायिका स्वाति मिश्रा को सम्मानित करते हुये भगवान राम के प्रति उनकी आस्था से परिपूर्ण गायिकी की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आगामी 22 जनवरी को रामलला अयोध्या में विराजमान होने जा रहे हैं और यह ऐसा अवसर है, जिसके लिए हमने वर्षों इंतजार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों को रामोत्सव मनाने का सुअवसर प्रदान किया है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से 22 जनवरी को दीप जलाकर भगवान राम का स्मरण कर दीपोत्सव मनाने की भी अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु राम ने जगत कल्याण के लिये मानव रूप में अवतार लिया, और सच्चरित्र मनुष्य का जीवन कैसा होना चाहिए, इसका उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, रेखा आर्य, विधायक खजान दास, विनोद चमोली, दुर्गेश्वर लाल, फकीर राम टमटा, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड संस्कृति कला परिषद मधु भट्ट, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, राधिका झा, सचिव विनय शंकर पाण्डे, वी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम, हरिश्चंद्र सेमवाल, निदेशक संस्कृति बीना भट्ट, सहित अनेक दायित्वधारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

एसीएस राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री अनुभागों का औचक निरीक्षण किया

कार्यालयों की व्यवस्था, रिकॉर्ड मेंटनेस, साफ-सफाई आदि का जायजा लिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जनवरी , एसीएस राधा रतूड़ी ने सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री अनुभागों के कार्यालयों को 15 फरवरी तक अपनी सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के साथ ही रिकॉर्ड मेंटनेस, साफ-सफाई, पुराने एवं अनुपयोगी सामानों एवं फाइलों के ऑक्शन तथा वीडिंग की डेडलाइन दी। कार्मिकों के लिए गरिमापूर्ण वर्क इनवाइरमेंट बनाने के साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार की भी नसीहत दी।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री अनुभागों के कार्यालयों को 15 फरवरी तक अपनी सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के साथ ही रिकॉर्ड मेंटनेस, साफ-सफाई, पुराने एवं अनुपयोगी सामानों एवं फाइलों के ऑक्शन तथा वीडिंग की डेडलाइन दी है। श्रीमती राधा रतूड़ी ने अगले 15 दिनों में सचिवालय के मुख्यमंत्री अनुभागों में अभियान चलाकर अनुपयोगी सामानों एवं फाइलों की वीडिंग, ऑक्शन एवं साफ-सफाई, सौन्दर्यीकरण का कार्य पूरा करने की सख्त हिदायत दी है। एसीएस ने वीडिंग की व्यवस्था को प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री अनुभागों का औचक निरीक्षण कर कार्यालयों की व्यवस्था, रिकॉर्ड मेंटनेस, साफ-सफाई आदि का जायजा लेते हुए एसीएस रतूड़ी ने सम्बन्धित अधिकारियों को अनुभागीय कार्यालयों को कार्मिकों के लिए गरिमापूर्ण वर्क इनवाइरमेंट बनाने के साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार की भी नसीहत दी। उन्होंने कार्यालयों की नियमित स्वच्छता बनाये रखने, रंग रोगन करने, अनुपयोगी सामानों को हटाने, अनावश्यक पत्रावलियों की वींडिग करने तथा कार्मिकों के कार्य करने के लिए आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखने के सख्त निर्देश दिए हैं। एसीएस राधा रतूड़ी ने व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए 15 दिनों का समय देते हुए उक्त निर्देशों के पालन की जांच हेतु पुनः निरीक्षण की बात कही। इस अवसर पर सचिव एस एन पाण्डेय सहित मुख्यमंत्री कार्यालय के सभी छः अनुभागों के अनुभाग अधिकारी, व्यवस्थाधिकारी, कार्मिक व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

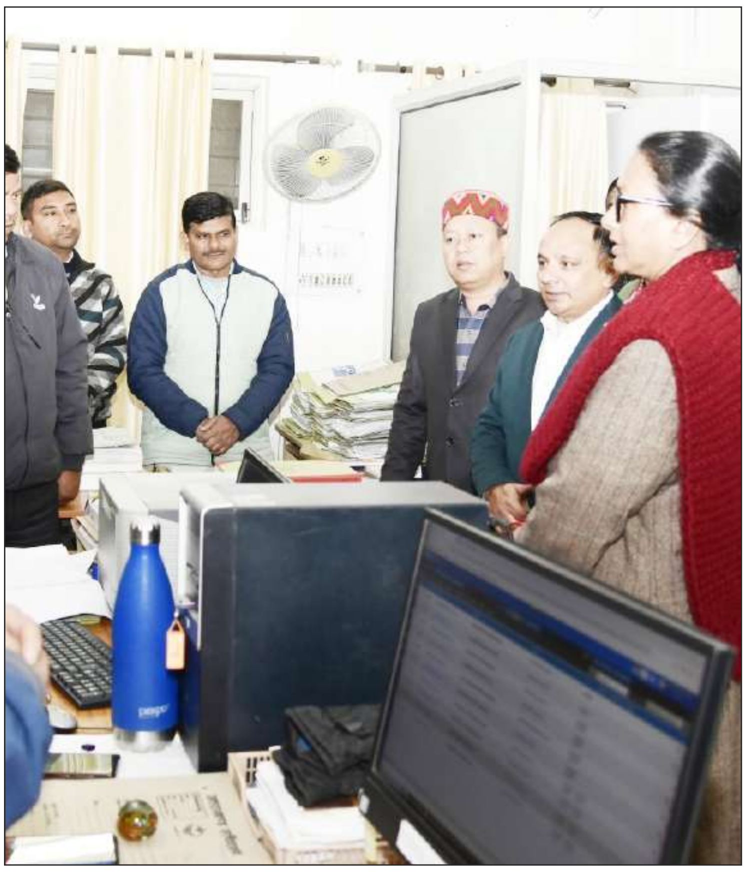

महिलाओं को जरूर खाना चाहिए कच्चा पपीता, जानिए फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , पका और पीला पपीता खाने में जितना टेस्टी लगता है उससे कहीं ज्यादा स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। आप पका और कच्चा दोनों तरह का पपीता खा सकते हैं। शरीर में होने वाली कई बीमारियों में पपीता फायदेमंद होता है। पका पपीता फल के रूप में खाया जाता है जबकि कच्चे पपीता को आप सब्जी के रूप में खा सकते हैं। पपीता में ऐसे पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो पेट से जुड़ी परेशानियों को दूर करते हैं। पपीता विटामिन, एंजाइम और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है। कच्चा पपीता खाने से शरीर को विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी और मैग्नीशियम, पोटेशियम जैसे मिनरल्स मिलते हैं। महिलाओं के लिए कच्चा पपीता काफी फायदेमंद माना गया है। जानिए कच्चा पपीता खाने के फायदे और महिलाओं को क्यों डाइट में कच्चा पपीता शामिल करना चाहिए।

कच्चा पपीता खाने के कई तरीके हैं। वैसे सबसे आसान तरीका है कि आप पपीता की सब्जी बनाकर खाएं। कच्चे पपीता की सब्जी कद्दू की तरह बनती है। आप चाहें तो इसके कोफ्ते भी बना सकते हैं। पपीता की सब्जी को चावल और दाल के साथ खा सकते हैं। इसके अलावा आप इसे उबालकर भी खा सकते हैं। पपीता और आलू को मिलाकर सब्जी भी बना सकते हैं।

कच्चा पपीता खाने के फायदे

कच्चा पपीता खाने से महिलाओं को पीरियड्स के दर्द में आराम मिलता है। पपीता खाने से ऑक्सीटोसिन और प्रोस्टाग्लैंडीन का लेवल हाई होता है जो दर्द को कम करता है।

कच्चा पपीता डायबिटीज के मरीज के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। कच्चे पपीता की सब्जी या फिर जूस पीने से शरीर में इन्सुलिन की मात्रा ठीक बनी रहती है।

जो लोग डाइट में कच्चा पपीता शामिल करते हैं उन्हें भरपूर फाइबर मिलता है। कच्चा पपीता खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है और पाचन क्रिया मजबूत होती है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है।

विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी से भरपूर कच्चा पपीता खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। पपीता में कई मिनरल पाए जाते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और सर्दी-जुकाम की समस्या दूर रहती है।

बच्चो को दूध पिलाने वाली महिलाओं को डाइट में कच्चा पपीता जरूर शामिल करना चाहिए। इससे दूध बढ़ाने में मदद मिलती है और शरीर को कई फायदे मिलते हैं।

अविवाहित बेटियां भी माता-पिता से गुजारा भत्ता की हकदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में स्पष्ट किया है कि घर की अविवाहित बेटियां भी माता-पिता से गुजारा भत्ता की हकदार हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि, चाहे यह लड़कियां किसी भी धर्म या उम्र की हों देश के घरेलू हिंसा अधिनियम (Domestic Violence Act) के तहत परिजनों को उन्हें गुजारा भत्ता देना ही होगा।

पिता और सौतेली मां करते थे तीन बहनों से घरेलू हिंसा

दरअसल, यह मामला तीन बहनों का है। उनका आरोप था कि उनके पिता और उनकी सौतेली मां उनके याथ घरेलू हिंसा करती हैं।

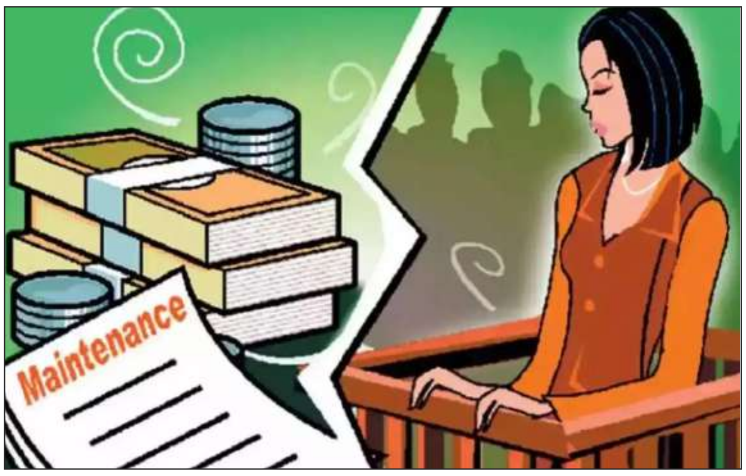

हाई कोर्ट से पहले यह मामला निचली अदालत में पहुंचा था। जहां निचली अदालत ने माता-पिता को तीनों लड़कियों को गुजारा भत्ता देने का अंतरिम आदेश जारी किया था। निचली अदालत के इसी आदेश को लड़कियों के पिता Naimullah Sheikh ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे हाई कोर्ट ने अब खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट के इस आदेश से अब इस तरह के अन्य मामलों की सुनवाई और फैसलों में तेजी आएगी।

पिता का तर्क लड़कियां बालिग और नौकरी करती हैं

सुनवाई के दौरान लड़कियों के वकील ने हाई कोर्ट को बताया कि उसके पिता और सौतेली मां उनके के साथ घरेलू हिंसा करती हैं। वह उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। इस सब से वह तीनों बहनें परेशान हैं। ऐसे में उनके पिता को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उन्हें Domestic Violence Act के तहत गुजारा भत्ता दिया जाना चाहिए। वहीं,लड़कियों के पिता की तरफ से अदालत में पेश हुए वकील ने तर्क दिया था कि तीनों लड़कियां बालिग हैं। इतना ही नहीं वह नौकरी करती हैं और अपना खर्च खुद उठा सकती हैं। ऐसे में निचली अदालत का यह निर्देश कि माता-पिता उन्हें किसी प्रकार का गुजारा भत्ता दें मान्य नहीं है और उसे खारिज किया जाए।

बार बार लगती है प्यास, तो हो सकती है ये गंभीर बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , ये कहावत तो आप भी जानते होंगें कि जल ही जीवन है,लेकिन ये मात्र एक कहावत ही नहीं है बल्कि सच्चाई है। यदि आप सर्दियों के मौसम में स्पेशली बहुत ही ज्यादा पानी पी रहे हैं, बावजूद इसके आपको फिर भी बार बार प्यास लग रही है। तो इसका सीधा मतलब है कि आपके शरीर में अंदरूनी परेशानियां हैं। इसलिए इसे बिलकुल भी नजर अंदाज नहीं करना चाहिए और बार बार प्यास लगने के लक्षण को देखकर तुरंत डॉक्टर से संपर्क जरूर करना चाहिए।वेबएमडी रिपोर्ट के अनुसार, ब्लड की कमी होने से आपको बार बार – बार प्यास लग सकती है। आयरन की बॉडी में कमी होने के कारण भी आपको गला सूखने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, यदि आपको ऐसे लक्षण दिख जाएं तो बिलकुल भी अनदेखा या नजरंदाज न करें।जो भी लोग डायबिटीज की गंभीर बीमारी से ग्रसित है, उन्हें बार बार प्यास लगने की बीमारी का सामना करना पड़ सकता है। जब ग्लूकोज पेशाब से निकलने लगता है तो शरीर में पानी धारण करने कि क्षमता कम हो जाती है। फिर बार बार पेशाब जाना पड़ता है। इस वजह से भी

बार बार प्यास लग सकती है।यदि बार बार चक्कर आ जाते हैं तो भी प्यास बार बार लग सकती है। इसलिए चक्कर के साथ बार बार प्यास लग रही है तो इस समस्या को बिलकुल भी हल्के में न लें।कैल्शियम की कमी के कारण आपको बार बार प्यास लग सकती है। बार बार पानी पीने के बाद भी आपको प्यास लग सकती है। ऐसे में ये एक बेहद गंभीर बीमारी है, जिसे आपको बिलकुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

अयोध्या धाम दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा छह जिलों में शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश 20 जनवरी : प्रदेश के पर्यटन विभाग ने अयोध्या धाम के लिए शुरू होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा को विस्तार दिया है। अब छह जिलों से श्रद्धालु और पर्यटक रामलला के दर्शन के लिए उड़ान भर सकेंगे। इनमें पहले से तय लखनऊ के अलावा गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा और मथुरा को भी शामिल कर लिया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवा की शुरुआत लखनऊ से करेंगे।

हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता ऑपरेटर का चयन कर लिया गया है जो ऑपरेशनल मॉडल पर हेली सर्विस की सेवा प्रदान करेगा। गोरखपुर से अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का किराया प्रति श्रद्धालु 11,327 रुपये तय किया गया है। यह दूरी 126 किमी की होगी, जिसे 40 मिनट में पूरा किया जाएगा। वाराणसी के नमो घाट से हेलीकॉप्टर का किराया प्रति श्रद्धालु 14,159 रुपये होगा। 160 किमी की यह दूरी 55 मिनट में पूरी होगी।

लखनऊ के रमाबाई मैदान से हेलीकॉप्टर के माध्यम से अयोध्या आने के लिए 14,159 रुपये खर्च करने होंगे। यह दूरी 132 किमी की होगी, 45 मिनट में श्रद्धालु यहां पहुंच जाएंगे।प्रयागराज में पर्यटक गेस्ट हाउस के पास बने हेलीपैड से श्रद्धालु उड़ान भर सकेंगे। यह दूरी 157 किमी की है, इसे 50 मिनट में तय किया जाएगा।

इसके लिए प्रति श्रद्धालु किराया 14,159 रुपये तय हुआ है। मथुरा में

बरसाना स्थित गोवर्धन परिक्रमा के पास और आगरा में एक्सप्रेस वे के पास बने हेलीपैड से यह सेवा उपलब्ध होगी। इसके लिए एक श्रद्धालु को 35,399 रुपये खर्च करने होंगे। इन सभी जिलों से आने वाले श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम से अपने गंतव्य तक वापस पहुँचने के लिए दोबारा निर्धारित किराया देना होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का देवभूमि में मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 20 जनवरी , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमांत क्षेत्र जोशीमठ ढाक से बीआरओ द्वारा निर्मित 35 इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए देश को समर्पित किया। इसमें सात राज्यों की 06 सड़कें और 29 ब्रिज शामिल है। परियोजनाओं को बीआरओ द्वारा 670 करोड़ की लागत पर पूरा किया गया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और गढवाल सांसद तीरथ सिंह रावत रक्षामंत्री के साथ मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री ने सात राज्यों की जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया उनमें उत्तराखंड में 03 ब्रिज, जम्मू-कश्मीर में 01 सड़क व 10 ब्रिज, लद्दाख में 03 सड़के व 6 ब्रिज, हिमांचल प्रदेश में 01 ब्रिज, सिक्किम में 02 सडकें, अरूणाचल प्रदेश में 08 ब्रिज तथा मिजोरम में 01 ब्रिज शामिल है। उत्तराखंड राज्य में भारत चीन सीमा को जोड़ने वाले जोशमठ-मलारी मार्ग पर ढाक ब्रिज एवं भापकुंड ब्रिज और सुमना-रिमखिम मोटर मार्ग पर रिमखिम गाढ ब्रिज को शिवालित परियोजना द्वारा 33.24 करोड़ लागत से तीनों ब्रिज बनाए गए है। जिससे सीमांत क्षेत्रों में आवागमन सुगम हो गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, "भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। और साथियों, इसमें हमें सबका सहयोग मिल रहा है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की सेवा की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी परियोजना को समय पर पूरा करना संगठन की प्रतिबद्धता के कारण संभव हुआ है। साथ ही उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल अधिकतम राष्ट्रीय सुरक्षा और कल्याण के मंत्र के साथ काम करने का आह्वान भी किया।

रक्षा मंत्री ने देश के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बीआरओ की सराहना की और कहा कि सड़क, पुल आदि का निर्माण करके, संगठन दूर-दराज के इलाकों को भौगोलिक दृष्टि से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ रहा है, साथ ही दूरदराज के गांवों में रहने वाले लोगों के दिलों को बाकी नागरिकों के साथ भी जोड़ रहा है।

रक्षामंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों को मुख्यधारा का हिस्सा मानती है न कि बफर जोन। "एक समय था जब सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता था। सरकारें इस मानसिकता के साथ काम करती थीं कि मैदानी इलाकों में रहने वाले लोग ही मुख्यधारा के लोग हैं। उन्हें चिंता थी कि सीमा पर घटनाक्रम का इस्तेमाल दुश्मन द्वारा किया जा सकता है। इसी संकीर्ण मानसिकता के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों तक विकास कभी नहीं पहुंच सका। ये सोच आज बदल गई है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार देश की सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम इन क्षेत्रों को बफर जोन नहीं मानते हैं।'' वे हमारी मुख्यधारा का हिस्सा हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि आगमन पर रक्षा मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सीमांत क्षेत्रों की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण पर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के सामरिक, धार्मिक व पर्यावरणीय महत्व को समझते हुए बड़ी परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। चारधाम ऑल वेदर रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन, सीमांत क्षेत्र विकास परियोजना व पर्वतमाला जैसी योजनाएं विकास के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड राज्य में तेजी से विकास कार्यों को आगे बढाने का काम किया जा रहा है। उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ पूरे मनोरथ से काम कर रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अवसंरचना विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री ने बीआरओ की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, जिला अध्यक्ष रमेश मैखुरी, बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, बीआरओ से लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 35 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 20 जनवरी , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ' प्राकृतिक आपदाओं ' पर अध्ययन करने और 'दुश्मन देश' की भागीदारी, यदि कोई हो, का निर्धारण करने का आह्वान किया। उन्होंने इनके सिर्फ मौसम संबंधी घटना होने की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हैं । रक्षा मंत्री उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। जिले के अपने दौरे के दौरान, रक्षा मंत्री ने सात राज्यों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित 35 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि उत्तराखंड, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे कुछ सीमावर्ती राज्यों में हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हिमालय का विस्तार अन्य राज्यों तक भी है, लेकिन ऐसी घटनाएं केवल कुछ राज्यों तक ही सीमित हैं, कई विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्राकृतिक आपदाएं जलवायु परिवर्तन का परिणाम हैं।

रक्षा मंत्री ने बदलते मौसम के मिजाज पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "देश में जलवायु परिवर्तन सिर्फ मौसम से संबंधित घटना नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित है । रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है और मदद मांगेगा।" मित्र देश किसी भी दुश्मन देश की संलिप्तता, यदि कोई हो, की जांच कर रहे हैं।" सिंह ने उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले से पलायन पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में सीमांत क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पलायन हुआ है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुनियादी ढांचे और विकास से संबंधित सभी परियोजनाओं को राज्य के कोने-कोने तक ले जाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

सिंह ने कहा, सरकार चाहती है कि देश की विकास यात्रा समुद्र से सीमा तक पहुंचे। "हम सड़कों, पुलों और सुरंगों जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से हर सीमा क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन परियोजनाओं का न केवल रणनीतिक महत्व है बल्कि ये हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विकास और कल्याण से भी संबंधित हैं। हमारा मानना है कि उन्होंने कहा, "सीमा के पास रहने वाले लोग भी सैनिकों से कम नहीं हैं। अगर एक सैनिक वर्दी पहनकर देश की रक्षा करता है, तो इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी अपनी मातृभूमि की बहुत बड़ी सेवा कर रहे हैं।" उन्होंने बीआरओ की महिला इंजीनियरों की भी सराहना की , जिन्होंने पिछले साल उत्तराखंड में सिल्कयारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जन्म से मुसलमान... लेकिन जपते हैं श्रीराम का नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , रामचरित मानस विमल, संतन जीवन प्राण, हिन्दुअन को वेदसम जमनहिं प्रगट कुरान' यह दोहा गोस्वामी तुलसीदास के समकालीन रहे अब्दुल रहीम खान-ए-खाना (रहीम दास) ने लिखा था। जिसका अर्थ है कि रामचरित मानस हिंदुओं के लिए ही नहीं मुसलमानों के लिए भी आदर्श है। इसी तरह कृष्ण भक्ति में पूरा जीवन न्यौछावर करने वाले रसखान लिखते हैं कि...'हरि के सब आधीन पै, हरी प्रेम आधीन। याही ते हरि आपु ही, याहि बड़प्पन दीन॥ मतलब यह कि पूरी दुनिया परमेश्वर के अधीन है लेकिन परमेश्वर (हरि) स्वयं भक्त के प्रेम के अधीन हैं।

ये एक दो उदाहरण नहीं हैं, जिनके आधार पर मुस्लिमों में राम के प्रति प्रेम का वर्णन किया जाए। इतिहास में कई ऐसे मुस्लिम कवि और रचनाकार हुए जो कहने को तो मुस्लिम थे लेकिन वो राम नाम जपते थे। उनमें फरीद, रसखान, आलम रसलीन, हमीदुद्दीन नागौरी, अमीर खुसरो जैसों का नाम लिया जा सकता है। आधुनिक भारत में भी कई रचनाकारों ने राम की काव्य-पूजा की और उनके प्रेम की गाथाएं लिखीं। अल्लामा इकबाल ने श्रीराम को इमाम ए हिंद बताया सन्-1860 में रामायण का उर्दू अनुवाद करके प्रकाशित किया गया। उस समय 8 साल में उसके 16 संस्करण प्रकाशित करने पड़े। अल्लामा इकबाल ने ब्रिटिश काल (1908) में लिखा था - 'हैं राम के वजूद पे हिंदुस्तान को नाज़, अहल-ए-नज़र समझते हैं इमाम-ए-हिंद' यानी राम केवल हिंदुओं के भगवान नहीं हैं, बल्कि दूरदृष्टि वाले या बुद्धिमानों के लिए 'इमाम-ए-हिंद' (पूरे भारत के आध्यात्मिक नेता) हैं।

रामभक्त, मुस्लिम रचनाकार अब्दुल रशीद खां, नसीर बनारसी, मिर्जा हसन नासिर, दीन मोहम्मद्दीन इकबाल कादरी, जफर अली खां जैसे कई प्रमुख मुस्लिम विद्वान हुए जिन्होंने रामभक्ति से ओत प्रोत रचनाएं लिखीं। लखनऊ के मिर्जा हसन नासिर ने रामस्तुति में लिखा .. कंज-वदनं दिव्यनयनं मेघवर्णं सुन्दरं। दैत्य दमनं पाप-शमनं सिन्धु तरणं ईश्वरं।। गीध मोक्षं शीलवन्तं देवरत्नं शंकरं। कोशलेशम्-शांतवेशं नासिरेशं सिय वरम्।। इन मुस्लिम गीतकारों के लिखे बेहतरीन रामभजन बॉलीवुड में लिखे गए कई भजनों को लोग आज आस्था के साथ खूब गाते हैं।

लेकिन, एक सच ये है कि इनमें से अधिकतर भजनों को मुस्लिम गीतकारों ने लिखा है। इन्हीं में एक भजन है। जिसे मुस्लिम गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा है। हे रोम-रोम में बसने वाले राम, जगत के स्वामी हे अंतर्यामी, मैं तुझसे क्या मांगू। इसी तरह फिल्म 'लगान' का एक प्रसिद्ध भजन है। 'ओ पालनहारे निर्गुण और न्यारे' इस भजन को गीतकार जावेद अख्तर ने लिखा और कंपोज ए. आर. रहमान ने किया है।

महाकाल नगरी के शंख से होगा श्रीराम लला का अभिषेक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

20 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम लला प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इसी माहौल को और यादगार बनाने के लिए एमपी में भी दिवाली जैसी तैयारियां की जा रही हैं। एमपी से रामभक्त कुछ न कुछ श्रीराम लला के लिए भेज रहे हैं। वहीं कई साधु-संतों का जत्था भी रवाना हो रहा है।बता दें कि महाकाल की नगरी उज्जैन से भी अयोध्या श्रीराम लला प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शंख भेजा गया है। साथ में भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना के लिए भी सामग्री भेजी गई है। इतना ही नहीं श्री महाकालेश्वर मंदिर से अयोध्या के लिए पांच लाख लड्डू प्रसादी भी भेजी जा रही है। यह प्रसादी प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन वितरित की जाएगी।

मुख्य पुजारी को मिला आमंत्रण

महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा को आमंत्रण पत्र मिला है। महाकाल की नगरी से मुख्य पुजारी गुरूवार शाम को अयोध्या के लिए रवाना हुए। इंदौर से आ रहे विशेष रथनुमा वाहन से रवाना हुए।मुख्य पुजारी अपने साथ महाकाल मंदिर से भस्म, शंख और चांदी के बिल्व पत्र लेकर गए हैं। यह पूजन सामग्री राम मंदिर में अर्पित की जाएगी।उक्त सामग्री से भी भगवान राम की पूजा-अर्चना और उज्जैन की नगरी के शंख से अभिषेक कराया जाएगा।

पुजारी महासंघ ने पीएम को लिखा पत्र

बता दें कि अखिल भारतीय पुजारी महासंघ की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा गया था। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम में देश समेत एमपी के प्रसिद्ध मंदिरों के मुख्य पुजारियों को भी बुलाए जाने की बात कही थी। समारोह का आमंत्रण नहीं मिलने पर 9 जनवरी को लिखे गए पत्र में कहा था कि प्राण प्रतिष्ठा में देश के संतों, महंतों, पीठाधीश्वर और धर्माचार्यों समेत 4 हजार लोगों को आमंत्रित किया गया है।ऐसे में देश के प्रसिद्ध मंदिरों के पुजारियों को भी आमंत्रित करना चाहिए।

14 साल के वनवास में सबसे ज्यादा किस शहर में रुके थे भगवान राम ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , अयोध्या में बन रहे भगवान राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है. अयोध्या में होने वाले इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों के बीच भगवान राम की कहानियां भी बताई जा रही है. आज आपको बताते हैं कि वनवास के दौरान भगवान राम सबसे ज्यादा भारत के किस शहर में रुके थे. तो जानते हैं वो शहर आज कहां है और कितने दिन भगवान राम वहां रुके?अपने वनवास में भगवान राम ने अयोध्या से धुनषकोटि और फिर लंका तक की यात्रा की थी. इन 14 साल के वक्त में वे अलग अलग जगहों पर रुके थे और एक जगह पर कुछ वक्त रहकर आगे बढ़े थे. भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, जिन-जिन राज्यों में रुके थे, उसमें उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु आदि शामिल है.

कहां सबसे ज्यादा वक्त तक रुके थे?

भगवान राम का वनवास 14 साल का था और माना जाता है कि इस वनवास के दौरान सबसे ज्यादा वक्त उन्होंने चित्रकूट में ही बिताया था. अयोध्या से चित्रकूट तक आने में भगवान को 10 दिन लगे थे. इसके बाद लंबे समय तक वे चित्रकूट और उसके आसपास के स्थान पर रहे थे. चित्रकूट से भगवान सुतीक्षण आश्रम तक गए थे और यहां आस पास घूमते रहे थे और उन्होंने इस दौरान कई ऋषि मुनियों के दर्शन किए थे.अगर आप चित्रकूट जाते हैं तो वहां कई मंदिर, आश्रम को लेकर कहा जाता है कि वहां भगवान राम आए थे. हालांकि, चित्रकूट में बिताए गए वक्त को लेकर कई कहानियां हैं और अलग अलग टाइम की डिटेल सामने आती है. कई लोगों का कहना है कि भगवान यहां 12 साल तक रहे थे और कुछ लोगों को कहना है कि यहां सिर्फ डेढ़ साल रहे थे और बाकी 12 साल कुछ महीने दूसरी जगहों पर रहे थे.

भगवान राम के तीर्थों पर शोध कर रहे लेखकों और लोक मान्यताओं के अनुसार, वनवास के 10 साल के बारे में काफी कम जानकारी मौजूद है. 14 साल के वनवास में 10 साल का वर्णन कुछ चौपाइयों में ही पूरा हो गया है और वाल्मीकि रामायण में 10 साल के लिए सिर्फ 3-4 श्लोक लिखे गए हैं. वहीं, रामचरितमानस में आधे हिस्से में 10 साल की बात लिखी गई है. ऐसे में बीच के वक्त की ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन ये कई रिपोर्ट में सामने आया है कि सबसे ज्यादा वे चित्रकूट और इसके आस-पास के इलाकों में रहे थे.

22 जनवरी को राम भक्तों को मिलेगा उपहार, सीतावनी कंजर्वेशन रिजर्व के नाम से जाना जाएगा ये क्षेत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 जनवरी : अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन होना है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भी जोरों पर है। 22 जनवरी को जब भगवान राम अयोध्या धाम में विराजेंगे, तब उत्तराखंड भी एक शानदार पहल का साक्षी बनेगा।

यहां स्थित पवलगढ़ कंजर्वेशन रिजर्व का नाम उस दिन सीतावनी कंजर्वेशन रिजर्व रखा जाएगा। चलिए आपको आपको रामनगर वन प्रभाग के कोटा रेंज में स्थित सीतावनी मंदिर के बारे में भी बताते हैं, जिसके नाम पर पवलगढ़ कंजर्वेशन रिजर्व का नाम बदला जा रहा है। सीतावनी क्षेत्र में सीता माता का मंदिर है। जहां वह लव और कुश के साथ विराजमान हैं। यह मंदिर पुरातत्व विभाग के अंतर्गत आता है। रामनगर से 25 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर त्रेता युग का बताया जाता है। यह कॉर्बेट से लगा हुआ क्षेत्र है। जहां पर बाघ, भालू, हाथियों के अलावा कई प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं। स्कंद पुराण में जिन सीतेश्वर महादेव की महिमा का वर्णन किया गया है,

वह यहीं विराजित हैं। रामायण की कथा के अनुसार जिस समय भगवान राम ने देवी सीता को वनवास का आदेश दिया था, उस समय देवी सीता गर्भवती थीं। ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में ही उन्होंने अपने जुड़वां पुत्रों को जन्म दिया था और उनका पालन-पोषण किया था।

इस घटना की याद में सीतावनी में देवी सीता की प्रतिमा के साथ उनके दोनों पुत्रों को भी दिखाया गया है। सीतावनी में एक कुंड भी है। ऐसा कहा जाता है कि उसी कुंड में सीता माता अंतिम समय में समा गई थीं। यहां जल की तीन धाराएं बहती हैं। इन धाराओं की विशेषता यह है कि गर्मियों में इनका जल ठंडा और सर्दियों में गर्म रहता है। इन्हें सीता-राम और लक्ष्मण धारा कहा जाता है। सीतावनी मंदिर क्षेत्र वन विभाग के अंतर्गत आने के कारण यहां प्रवेश के लिए वन विभाग से अनुमति लेनी होती है।

लिवर की समस्या से बचना चाहते हैं, तो खाने में करें ये बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रपोर्ट20 जनवरी : लिवर की बीमारियां संपूर्ण शरीर के लिए दिक्कते बढ़ाने वाली हो सकती हैं। पेट और आंतों से निकलने वाला सारा खून लिवर से होकर गुजरता है। लिवर इस रक्त को संसाधित करने, पोषक तत्वों के अवशोषण, भोजन के पाचन को बढ़ावा देने के साथ कई प्रकार के हार्मोन्स भी रिलीज करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, युवाओं में बढ़ रही फैटी लिवर की समस्या काफी चिंताजनक है, इससे सभी लोगों को बचाव करते रहना चाहिए। फैटी लिवर की समस्या, उन लोगों को भी हो सकती है जो शराब नहीं पीते हैं।

फैटी लीवर डिजीज, जैसा कि इसके नाम से पता चलता है यह लिवर में वसा के निर्माण के कारण होने वाली समस्या है। इस बीमारी में लिवर के लिए सामान्य तरीके से काम कर पाना कठिन हो जाता है, जिसका असर संपूर्ण शरीर पर हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर आयु के लोगों को लिवर की सेहत को ठीक रखने पर गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए, यह समस्या किसी को भी हो सकती है। आइए जानते हैं कि लिवर की इस बीमारी से बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है?

क्यों होती है फैटी लिवर की समस्या?

फैटी लिवर डिजीज में, लिवर की कोशिकाओं में अतिरिक्त फैट जमा होने लगता है। वसा के इस प्रकार के जमाव के कई कारण हो सकते हैं। शराब का अधिक सेवन करने वालों में इस तरह की समस्याओं के जोखिम अधिक होता है। वहीं, आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण बिना शराब का सेवन किए भी आप में इस समस्या का जोखिम हो सकता है। मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, इंसुलिन प्रतिरोध, रक्त में ट्राइग्लिसराइड की अधिकता और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं के कारण भी फैटी लिवर डिजीज होने का खतरा हो सकता है। इसके लिए आहार और दिनचर्या को ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

डॉक्टर बताते हैं फैटी लिवर की समस्या से बचाव के लिए आहार में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना लाभकारी माना जाता है। फाइबर, लिवर के कार्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके लिए ताजे फल और सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज को आहार में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा लिवर की इस समस्या से बचाव के लिए भोजन में नमक और चीनी की मात्रा को कम रखने की सलाह दी जाती है। लिवर की सेहत का ख्याल रखें।

16 साल से उम्र कम तो कोचिंग सेंटर में 'No Entry', पढ़िए गाइडलाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , प्राइवेट कोचिंग सेंटर्स की मनमानी पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइंस के मुताबिक कोचिंग संस्थानों में 16 साल से कम उम्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन नहीं मिलेगा. इसके साथ ही अच्छे नंबर या रैंक दिलाने की गारंटी जैसे भ्रामक वादों पर भी लगाम लगाई जाएगी. कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने साथ ही बेतरतीब तरीके से निजी कोचिंग संस्थानों की बढ़ोतरी को रोकने के लिए ये फैसला लिया गया है.

25 हजार से एक लाख रुपए तक जुर्माना

अगर शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइंस का उल्लंघन किया गया और इन्हें नहीं माना गया तो कोचिंग सेंटर्स पर 25 हजार रुपए से एक लाख रुपए तक भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है. इसके साथ ही अब कोई कहीं पर भी अपनी कोचिंग सेंटर नहीं खोल सकता है. इसके लिए उसे सबसे पहले रजिस्ट्रेशन कराना होगा. नई गाइडलाइंस के अनुसार अब कोचिंग सेंटर किसी छात्र से मनमानी फीस भी नहीं वसूल सकेंगे. वहीं कोर्स की अवधि के दौरान फीस नहीं बढ़ाई जा सकेगी. किसी छात्र ने पूरा भुगतान किया हो और अगर वह बीच में कोर्स को छोड़ने का आवेदन करता है तो उसकी शेष अवधि का पैसा वापस किया जाएगा. रिफंड में हॉस्टल और मेस की फीस भी शामिल होगी.

क्यों लिया गया ये फैसला?

दरअसल, विद्यार्थियों की आत्महत्या के बढ़ते मामले, आग की घटनाएं, कोचिंग संस्थानों में सुविधाओं की कमी के साथ-साथ उनके द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षण पद्धतियों के बारे में शिक्षा मंत्रालय को कई तकरह की शिरायतें मिली थी. जिसके बाद कड़ा कदम उड़ाते हुए सरकार की ओर से ये फैसला लिया गया है.

अल्मोड़ा : मारुति वैन से 50 किलो गांजा बरामद, तस्कर फरार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 20 जनवरी : अल्मोड़ा पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। जिले के भतरौंजखान में मारुती वैन से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है।वैन से पुलिस ने 50 किलो गांजा पकड़ा, जिसकी कीमत करीब सात लाख रुपये है। पुलिस ने गांजा तो पकड़ लिया, लेकिन गांजे की खेप ले जा रहा तस्कर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। प्रदेशभर में ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन-2025 चल रहा है। मिशन के तहत अल्मोड़ा में भी पुलिस जगह-जगह चेकिंग कर रही है।इस दौरान भतरौंजखान में पुलिस ने एक मारुति वैन की तलाशी ली। वैन में पांच कट्टे रखे थे, तलाशी लेने पर इनमें से 49.548 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे को अपने कब्जे में ले वाहन को सीज कर दिया है। चालक के फरार हो जाने के बाद पुलिस ने भतरौंजखान थाने में अज्ञात अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। भतरौंजखान थानाध्यक्ष मदन मोहन जोशी ने बताया कि वैन से सात लाख तैंतालीस हजार दो सौ बीस रुपये का गांजा बरामद किया गया है। आरोपी वाहन चालक की तलाश की जा रही है। उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि पिछले महीने रामनगर में भी पुलिस ने 62 किलो गांजा पकड़ा था। उस वक्त दो तस्करों की गिरफ्तारी हुई थी। अब अल्मोड़ा में गांजे की बड़ी खेप पकड़ी गई है।

मंत्री सौरभ बहुगुणा साकार कर रहे सर्वोत्तम उत्तराखंड का विजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जनवरी , टीम धामी के प्रभावशाली और क्षेत्र में योजनाओं को लेकर सक्रिय कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अपनी कार्यशैली और विजन से उत्तराखंड को सर्वोत्तम राज्य बनाने की दिशा में तेजी से कामयाबी हासिल की है। इसी कड़ी में अपने विभाग के कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पशुपालक, दुग्ध पालकों को बेहतर सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है । कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पशुपालन विभाग में तीन नई योजनाएं जिसमें गोट वैली प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके अलावा 13 जिलों में प्रोजेक्ट चल रहा है। उन्होंने बताया कि पांच बकरियां लोन लेने पर 11 बकरियां विभाग देता है। इसके अलावा पोल्ट्री वैली योजना को भी शुरू किया गया है।

पशुपालन विभाग में तीन नई योजनाएं शुरू की : कैबिनेट मंत्री ने बताया की अभी तक 1941 किसानों ने इस योजना का फायदा उठाया है। पशु पालन विभाग के तहत पशुओं की एम्बुलेंस को भी शुरू किया गया है। जिसमें अभी तक चार हजार से ज्यादा कॉल प्राप्त हुई है। मंत्री ने बताया कि किसान क्रेडिट योजना के तहत डेढ़ लाख रुपए दिए जाते हैं। जिसके तहत 84606 किसान क्रेडिट कार्ड बने हैं।कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पशुपालन विभाग के तहत पहले कोई फंड नही रहता था। लेकिन अब मुख्यमंत्री लाइव स्टॉक मिशन के तहत फंड जमा है। इसके अलावा गंगा गाय योजना में अब किसान को दो गाय या दो भैंस भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि पहले पांच गाय का प्रावधान था। लेकिन किसानों की मांग पर सरकार ने ये फैसला लिया है।मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड पहला राज्य बना है जिसने भूसे पर 50 फीसदी

सब्सिडी दी है। इसके अलावा राज्य में दिसम्बर में 25 फीसदी दूध के उत्पादन में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 13 जिलों में दुग्ध संघ में दुग्ध उत्पादन बढ़ा है।

मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया सरकार बायो गैस प्लांट शुरू करने जा रही है। जिसके लिए किसानों से गोबर भी खरीदा जाएगा।दुग्ध संघ में कुछ कर्मचारी वित्तीय अनियमित्तताओ में शामिल थे। जिसके खिलाफ हँकारि सर्कार ने कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि स्किल डेवलपमेंट विभाग में हमने कई काम किए हैं। पहले आईटीआई से पास आउट बच्चों को आठ से 10 हजार रुपए वेतन शुरू में मिलता थे। लेकिन सरकार की कोशिश के चलते कम्पनियों को आईआईटी में प्रशिक्षण देने के चलते 25 हजार के करीब बच्चों को शुरू में वेतन मिलना शुरू हो रहा है।

ITI करने वाले 16 बच्चों को भेजा गया जापान – सौरभ बहुगुणा

मंत्री बहुगुणा ने बताया कि तीन साल के लिए 3000 हजार बच्चों को टाटा के साथ भी MOU प्रशिक्षण के लिए किया गया है। ITI के बच्चों की मांग पर ड्रेस कोड चेंज किया गया। बच्चों को ड्रेस भी मुफ्त दी जाए इसके लिए सीएम से इस सम्बंध में बात की जाएगी। उन्होंने बताया कि ITI के बच्चों को भी विदेश में भेजने की शुरूआत की गई है। अभी तक 16 बच्चों को जापान भेजा गया है। जबकि सात बच्चों के कॉल लेटर आने वाले हैं।

सौरभ बहुगुणा ने बताया कि फिशरीज में भी कई योजना के तहत काम हो रहा है। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना शुरू की गई है। हमारी सरकार ने क्लस्टर फार्मिंग पर जोर दिया है। एक्वा पार्क भी सितारगंज में बनने जा रहा है।मत्स्य पलकों को दी जाने वाली बिजली पर अब कमर्शियल दर नहीं लगेगी। इसके साथ ही घरेलू दर पर बिजली मुहैया कराई जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि किसानों को प्रति यूनिट 3.5 रुपए की बचत हो रही है। इसके अलावा गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को सरकार में प्राथमिक पर रखा है।

बदलते मौसम में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी हो सकती है गंभीर समस्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , बदलते मौसम में आमतौर पर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की शिकायतें देखने को मिल रही है। इसी के चलते अस्पतालों में मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी भी नजर आ रही है।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के सबसे बड़े अस्पताल दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर अनुराग अग्रवाल ने बदलते मौसम में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी को लेकर भी अलर्ट रहने की बात कही है। उन्होंने बताया कि यह एक सामान्य वायरल संक्रमण है, खतरनाक हो सकता है।

खास तौर पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, और बुजुर्गों को खतरा ज्यादा होता है। राजधानी देहरादून में लोगों को इससे डरने और घबराने की जरूरत नहीं है। जैसे अन्य सामान्य बीमारियों का इलाज होता है इस तरह से इन्फ्लूएंजा से ग्रसित मरीजों का भी इलाज किया जा रहा है। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक दो मरीज हैं जिनका इलाज हो रहा है। उनको अन्य तरह की बीमारी भी है। इलाज होने के बाद ही उनको उनके घर वापस भेजा जाएगा

हर सुबह पढ़ते हैं अखबार, तो क्या जानते हैं इन रंगीन डॉट्स का मतलब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 जनवरी : आज के समय में मीडिया लोगों की लाइफ का काफी जरुरी हिस्सा बन गया है. दुनियाभर की जानकारी मीडिया के जरिये लोगों को मिल जाती है. इसमें प्रिंट मीडिया सबसे पुराना तरीका है. इसमें अख़बार से लेकर मैगजीन शामिल है. आज जब डिजिटल मीडिया लोगों की लाइफ का सबसे जरुरी हिस्सा बन चुका है, उसके बाद भी कई लोग सुबह उठते ही अखबार पढ़ना पसंद करते हैं. अगर आप भी उन्हीं लोगों में शामिल है तो फिर इस सवाल का जवाब आपको पता होना चाहिए. हर रोज सुबह उठते ही अगर आप अखबार पढ़ते हैं, तो आपने इसके पन्नों को देखा ही होगा. अखबार के पन्नों के नीचे कई रंग के डॉट्स बने होते हैं. अगर आपको आजतक ऐसा लगता था कि ये मात्र इन अखबार को सजाने के लिए बनाए जाते हैं, तो आप गलत हैं. इन

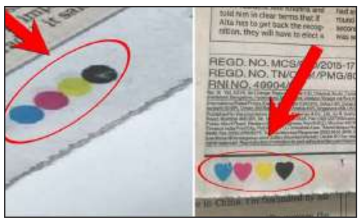

डॉट्स को बनाए जाने के पीछे ख़ास कारण है. आज हम आपको इसकी वजह बताते हैं. हर एक डॉट का अलग ही मतलब होता है, जिसके बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी नहीं होती। अखबार को CMYK तकनीक से प्रिंट करने का चलन काफी पुराना है. ये काफी सस्ता तरीका है. इसकी वजह से डिजिटल प्रिंटिंग काफी आसान हो गई है. इस तकनीक से ये भी पता लगाया जा सकता है कि एक दिन में कितने अखबार प्रिंट किये गए हैं. ऐसे में आज भी ज्यादातर न्यूजपेपर इसी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

डिप्रेशन की समस्या से निपटने का ये है रामबाण तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , आजकल टेंशन और डिप्रेशन बेहद गंभीर समस्या बनती जा रही है। अधिकतर लोगों में तनाव और अवसाद आम समस्या बन गई है। वहीं कोरोना महामारी के बाद डिप्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ी है। विशेषज्ञों की मानें तो मानसिक तनाव से निजात पाना आसान नहीं होता है। इसके लिए व्यक्ति को अंदर से मजबूत होना पड़ता है। वहीं, तनाव को दूर करने के लिए, डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

टेंशन और डिप्रेशन से निजात पाने के लिए अपनाएं ये 3 टिप्स...

अगर आप तनाव से निजात पाना चाहते हैं, तो आप अपनी पसंद के गाने और संगीत जरूर सुनें। इससे शरीर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। साथ ही शरीर में हैप्पी हार्मोन रिलीज होता है। इससे आप बहुत अच्छा फील करेंगे।तनाव को दूर करने में योग और ध्यान की भूमिका अहम होती है। इनमें सुखासन, बालासन, हलासन, शवासन और उत्तानासन करने से तनाव में बहुत जल्द आराम मिलता है। इसके लिए रोजाना सुबह और शाम के समय योग और ध्यान जरूर करें।अगर आप तनाव और चिंता से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो रोजाना एक्सरसाइज जरूर करें। इससे आप रिलैक्स महसूस करेंगे। एक्सरसाइज करने से शरीर में रक्त का संचार सुचारू ढंग से होता है। इससे शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ने से तनाव कम होता है।

इस विटामिन के कारण थकान और हाथ पैर में झुनझुनी महसूस होती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 जनवरी : विटामिन बी 12 शरीर में डीएनए संश्लेषण, एनर्जी और सेंट्रल नर्वस सिस्टम को सुचारु रूप से चलाने के लिए बहुत जरूरी होता है. इस विटामिन की कमी जैसे ही होती है शरीर में थकावट काम में मन न लगना, हाथ पैर में झुनझुनी महसूस होती है. ऐसे में आपको समझ जाना चाहिए शरीर में विटामिन बी12 की कमी होती है. तो चलिए जानते हैं विटामिन बी 12 की कमी किन फूड से कर सकते हैं पूरी।

आपको बता दें कि इस विटामिन को मेडिकल लैंग्वेज में कहते हैं. यह विटामिन शरीर खुद नहीं बनाता है इसको डाइट से पूरा किया जाता है. इसलिए जरा सी भी लापरवाही खाने में होती है तो फिर इस विटामिन की कमी होने लगती है बॉडी में. इस विटामिन की कमी से ना सिर्फ हाथ पैर और तलवों में झुनझुनी होती है, बल्कि स्किन ड्राई भी होने लगती है, मुंह में छाले होने लगते हैं जल्दी जल्दी. विटामिन

बी 12 फूड के सोर्स वेज और नॉनवेज दोनों हैं. इस विटामिन की कमी को आप डेयरी प्रोडक्ट से कर सकते हैं. मशरूम भी इसमें आपकी पूरी हेल्प करता है. इससे आपकी थकान दूर होती है। फलों से विटामिन बी 12 हासिल करना चाहते हैं, तो आप सेब, केला और संतरा का सेवन कर सकते हैं. ये आपके शरीर में विटामिन बी 12 की कमी पूरा करने में सक्षम होते हैं. ड्राई फ्रूट्स में आप मूंगफली और बादाम का सेवन कर सकते हैं. भुना हुआ चना बॉडी में विटामिन बी 12 की कमी पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकता है.

देहरादून : 22 जनवरी तक प्रभावित रहेगा ट्रैफिक, इस रूट से निकलेगी शोभायात्राएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 जनवरी : देहरादून से ध्यान दें 22 जनवरी शहर में ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित रह सकती है। आपको जाम का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल शहर में कई बड़ी शोभायात्राओं का आयोजन किया जाना है, जिसकी वजह से ट्रैफिक प्रभावित रहेगा। 20 जनवरी को विभिन्न धार्मिक संगठनों की ओर से शहर में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। यात्रा सुबह 10 बजे से परेड ग्राउंड से शुरू होंगी, जो कि गांधी पार्क, घंटाघर, पलटन बाजार से निकलेंगी। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में राम भक्त उपस्थित होंगे। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होनी है।इसे लेकर दून में कई शोभायात्राओं का आयोजन किया जा रहा है।

वीकेंड पर पर्यटक भी बड़ी तादाद में मसूरी का रुख करेंगे। इसलिए आने वाले 4 दिन पुलिस के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी चुनौती भरे रहेंगे। श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जा रही है। शोभायात्रा शाम तीन बजे हिंदू नेशनल इंटर कालेज लक्ष्मण चौक से शुरू होकर शिवाजी धर्मशाला, सहारनपुर चौक, झंडा बाजार, पलटन बाजार, आढ़त बाजार होते हुए शिवाजी धर्मशाला में संपन्न होगी।

इसी तरह 20 जनवरी को विभिन्न धार्मिक संगठनों की ओर से शहर में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। 21 जनवरी को राष्ट्रीय श्रीराम कृष्णा गढ़ सभा की ओर से रथयात्रा व बाइक रैली निकाली जा रही है, जो कि मालसी वाली पुलिया से सुबह 10 बजे शुरू होगी। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि देशभर में धार्मिक कार्यक्रम व शोभायात्रा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शोभायात्रा में भीड़ अधिक होने के चलते यातायात प्रभावित होगा, लेकिन आमजन को कम से कम परेशानी हो, इसको लेकर कई जगह रूट डायवर्ट किए जाएंगे। एसपी सिटी व एसपी यातायात की ओर से अनुमति मांगने वाले आयोजकों से बातचीत की जा रही है। इसके साथ ही शोभायात्रा के रूट निर्धारित किए जा रहे हैं।

संपादकीय

जेल में जंजाल

यह जेल अधिकारियों और अपराधियों की सांठगांठ की पराकाष्ठा ही है कि फिरोजपुर जेल के भीतर से 43 हजार फोन कॉल हुई और पांच हजार बैंक लेनदेन हुए। घटनाक्रम उजागर करता है कि जिन जेल अधिकारियों पर अपराधियों की सख्त निगरानी व समाज को भयमुक्त करने का जिम्मा है, वे अपराधियों से मिलीभगत करके व्यवस्था से विश्वासघात कर रहे हैं। जिस दायित्व के लिये सरकार उन्हें वेतन देती है, वे उससे छल ही कर रहे हैं। मानवीय मूल्यों के पतन की यह पराकाष्ठा ही है कि खाकी वर्दी में कुछ लोग निहित स्वार्थों व लालच के लिये समाज में तमाम लोगों के जीवन को संकट में डाल रहे हैं। उनकी इस संदिग्ध भूमिका से अपराधी अपने खतरनाक मंसूबों को जेल में रहते हुए भी अंजाम दे रहे हैं। यह संभव नहीं था कि बिना जेल अधिकारियों की मिलीभगत के अपराधी-तस्कर जेल के भीतर से अपराध का साम्राज्य चला सकें। यूं तो जेल-तंत्र में सडांध की खबरें पूरे देश से आती रहती हैं, लेकिन पंजाब में ऐसी खबरों की निरंतरता चिंताजनक है। अपराधी जेल के भीतर से निरंतर समानांतर शासन चला रहे हैं तो यह कानून के राज पर सवालिया निशान लगाता है। आखिर जेल के भीतर मोबाइल बिना जेलकर्मियों की मिलीभगत कैसे पहुंच रहे हैं? क्यों जेल के भीतर जैमर नहीं लगाए जाते ताकि अपराधी मोबाइलों का उपयोग न कर सकें? फिरोजपुर जेल के भीतर से 43 हजार फोन कॉल का होना, एक बड़े आपराधिक कृत्य को दर्शाता है। संभव है दुर्दांत अपराधियों के भय से कुछ जेल अधिकारी समर्पण करते हों। यदि ऐसा है तो उन्हें नैतिकता के आधार पर अपना पद छोड़ना चाहिए। आगे जांच से पता चलेगा कि बैंकिंग लेन-देन से किस-किस तक ड्रग मनी पहुंची और कौन इसका सूत्रधार था। निस्संदेह, इस आपराधिक कृत्य की व्यापक पैमाने पर जांच की जानी चाहिए। यह भी पड़ताल होनी चाहिए कि इन फोन कॉल में से कितनी परिजनों को की गई और कितनी अपराधियों को। निस्संदेह, यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि क्या बैंक से लेन-देन जेल अधिकारियों को रिश्वत देने के लिये किया गया था? या यह धन नशीली दवाओं के भुगतान के लिये किया गया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की नामी जेलों में भी दुर्दांत अपराधियों को पांच सितारा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये जेल अधिकारियों व कर्मचारियों को मोटी रकम चुकाई जाती है। निस्संदेह, यह खतरनाक खेल समाज में मानवीय मूल्यों के पतन की गाथा भी बताता है। दरअसल, फिरोजपुर जेल में जेल अधिकारियों की मिलीभगत से अपराधियों की इन करतूतों का मामला तब प्रकाश में आया था, जब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल व नशीली दवाओं की तस्करी पर रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट ने पूछा था कि तीन तस्करों द्वारा अवैध रूप से इस्तेमाल किये गए फोन के जरिये जेल के अंदर से 43 हजार कॉल्स कैसे की गई।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखंड : इन जिलों में घने कोहरे का अलर्ट

उत्तराखंड 20 जनवरी : उत्तराखंड के कुछ जिलों में कोहरा परेशान करेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से उधमसिंह नगर और हरिद्वार, देहरादून में घने कोहरा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पौड़ी और नैनीताल में भी सुबह-शाम कोहरा छाया रहेगा। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। पर्वतीय जिलों में पाले की ठंड परेशान करेगी। क्षेत्र में कड़ाके की ठंड से करीब 55 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण ठंड माना जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह पता चल सकेगी।बृहस्पतिवार की सुबह मनिहारगोठ पुलिस चौकी को रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया गया कि मृतक का बायां हाथ कटा हुआ था और वह पिछले चार-पांच दिन से क्षेत्र में घूम रहा था।

सिर्फ मीठा ही नहीं Room Heater भी बढ़ा सकता है डायबिटीज का खतरा!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 20 जनवरी, रूम का तापमान कई डिग्री तक नीचे करना किसी को पसंद नहीं है। क्योंकि हर कोई अपने घर को गर्म रखने के लिए हीटर का यूज करता है, लेकिन एक ठंडा घर टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज के जोखिम को कम करने के साथ-साथ बेहतर नींद में आपकी मदद कर सकता है। Netherlands के Maastricht University के Professor Hannah Pallu Binsky के अनुसार, जो शरीर पर तापमान के प्रभाव का स्टडी करते हैं।

डायबिटीज का खतरा

कमरे के हीटिंग को थोड़ा कम करने से टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। स्टडी में दस दिनों तक प्रतिदिन छह घंटे के लिए 14 से 15 C एक ठंडे कमरे में वॉलंटियर्स शामिल थे। रिसर्चरों ने ठंड के संपर्क में आने से पहले और बाद में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म का मेजरमेंट लिया गया है। परिणामों से पता चला कि प्रतिभागियों में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म में सुधार देखा गया है। लोग अपने ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में 40% तक बेहतर थे। यह ग्लूकोज ट्रांसपोर्टर 4 नामक चीज की वजह से था। ठंड के अनुकूल होने के बाद मसल्स की सेल्स में इसे और ज्यादा देखा गया है।

यह एक प्रोटीन है, जो ब्लड फ्लो से ग्लूकोज को ज्यादा तेजी से हटा सकता है, जो एक पॉजिटिव रिजल्ट है। क्योंकि यह वाकई में ग्लूकोज में सुधार कर सकता है। हालांकि, एक्सपर्ट कहते हैं कि जो लोग सर्दियों में हेल्थ बेनिफिट्स लेना चाहते हैं, उन्हें लंबे समय तक कुछ घंटों के लिए थर्मोस्टेट का केवल कुछ डिग्री तक कम करना चाहिए।

बहुत ज्यादा ठंड होने से हाइपोथर्मिया हो सकता है, जिससे युवा और बुजुर्गों को विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं। दिल की समस्याओं वाले लोगों को भी सावधान रहना चाहिए। क्योंकि ठंड में ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर और हार्ट बीट बढ़ सकती है।

हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है

कोल्ड क्लाइमेट में समय बिताने से दिल की बीमारियों का खतरा भी कम हो सकता है। ऐसा इसलिए हो सकता है, क्योंकि प्रोफेसर Hannah Pallu binsky की स्टडी के अनुसार, जब शरीर ठंड के अनुकूल होता है, तो ब्राउन फैट बढ़ सकता है। ऐसा माना जाता है कि ब्राउन फैट कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, मोटापे से लड़ता है और ब्लड प्रेशर को कम करता है, ये सभी हार्ट डिजीज के खतरे को बढ़ा सकते हैं। 'ब्राउन फैट को ब्राउन फैट इसलिए कहा जाता है, क्योंकि जब आप इसे माइक्रोस्कोप से देखते हैं, तो इसमें माइटोकॉन्ड्रिया नामक बहुत सारी छोटी एनर्जी फैक्ट्रियां होती हैं, जिनका कलर ब्राउन सा होता है। ये सेल्स शरीर के 37 C (98.6 F) अंदर तापमान को बनाए रखती हैं।

मोदी सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बाजपुर 20 जनवरी : कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बाजपुर के ग्राम हरिपुरा हरसान के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुँचने पर मंत्री गणेश जोशी का फूल मालाओं, पुष्पगुच्छ से जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने 312.38 लाख की लागत से 18 कार्यों का शिलान्यास एवं 27.92 लाख की लागत से 7 कार्यों का लोकार्पण किया। कुल 3 करोड़ 40 लाख 30 हजार की लागत से 25 कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण किया। सरकार में कृषि मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रभारी मंत्री होने के कारण मेरा प्रयास रहता है कि सबके हितों के लिए कार्य करूँ। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।

आज देश के 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की चिंता करते हुए 10 करोड़ से अधिक लोगों को उज्जवला गैस योजना के अंतर्गत गैस-चुल्हा वितरण करने का कार्य देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। 10 करोड़ से अधिक इज्जत घर (शौचालय) बनाने का कार्य मोदी सरकार के द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से देश में निर्धन/जरूरतमंद लोगों को उनका अपना घर देने का कार्य देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार चाहे वह दिल्ली की हो या प्रदेश की दोनों जनहित के लिए कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि 2025 तक प्रदेश में एक लाख बहनों को लखपति दीदी योजना के माध्यम से लखपति बनाना हैं। मंत्री ने कहा पुष्कर सिंह धामी सरकार जिन योजनाओं का शिलान्यास करती है उनका लोकार्पण भी करती है। उन्होंने कहा प्रदेश धामी सरकार सरलीकरण समाधान और निस्तारण के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने बाजपुर के लोगों की समस्या भी सुनी और संबंधित अधिकारियों को उसके निराकरण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उत्तराखंड बीज प्रमाणीकरण एजेंसी के अध्यक्ष बलराज पासी, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा उमा जोशी, जिला महामंत्री भाजपा अमित नारंग, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, उपजिलाधिकारी राकेश तिवारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी नफील जमील, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी, कृषि अधिकारी अजय कुमार वर्मा, तहसीलदार अक्षय भट्ट आदि मौजूद थे।

राम मंदिर आंदोलन के सेनापति चंपत राय की कहानी

बिजनौर से है पुराना नाता, धामपुर के आर एस एम डिग्री कॉलेज में थे प्रोफेसर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बिजनौर 20 जनवरी : 1975 इँदिरा गाँधी द्वारा थोपे आपातकाल के समय बिजनौर के धामपुर स्थित आर एस एम डिग्री कॉलेज में एक युवा प्रोफेसर चंपत राय, बच्चों को फिजिक्स पढ़ा रहे थे, तभी उन्हें गिरफ्तार करने वहां पुलिस पहुंची क्योंकि वह संघ से जुड़े थे। अपने छात्रों के बीच बेहद लोकप्रिय चंपत राय जानते थे कि उनके वहाँ गिरफ्तार होने पर क्या हो सकता है। पुलिस को भी अनुमान था कि छात्रों का कितना अधिक प्रतिरोध हो सकता है।

प्रोफ़ेसर चंपत राय ने पुलिस अधिकारियों से कहा, आप जाइये मैं बच्चों की क्लास खत्म कर थाने आ जाऊँगा। पुलिस वाले इस व्यक्ति के शब्दों के वजन को जानते थे अतः वे लौट गए। क्लास खत्म कर बच्चों को शांति से घर जाने के लिए कह कर प्रोफेसर चंपत राय घर पहुंचे, माता पिता के चरण छू आशीर्वाद लिया और लंबी जेल यात्रा के लिए थाने पहुंच गए। 18 महीने उत्तर प्रदेश की विभिन्न जेलों में बेहद कष्टकारी जीवन व्यतीत कर जब बाहर निकले तो इस दृढ़प्रतिज्ञ युवा के आत्मबल को संघ के सरसंघचालक रज्जू भैया ने पहचाना और श्री राममंदिर की लड़ाई के लिए अयोध्या जी को तैयार करने का जिम्मा उनके कंधों पर डाल दिया।

■ प्यार से लोग 'रामलला का पटवारी' भी कहते हैं

चंपत राय ने अपनी सरकारी नौकरी को लात मार दी और राम काज में जुट गए। वे अवध के गाँव गाँव गये हर द्वार खटखटाया। स्थानीय स्तर पर ऐसी युवा फौज खड़ी की जो हर स्थिति से लड़ने को तत्पर थी। अयोध्या के हर गली कूचे ने चंपत राय को पहचान लिया और हर गली कूचे को उन्होंने भी पहचान लिया। उन्हें अवध के इतिहास, वर्तमान, भूगोल की ऐसी जानकारी हो गई कि उनके साथी उन्हें ₹अयोध्या की इनसाइक्लोपीडिया₹ उपनाम से बुलाने लगे।

बाबरी ध्वंस से पूर्व से ही चंपत राय जी ने राम मंदिर पर ₹डॉक्यूमेंटल एविडेंस₹ जुटाने प्रारम्भ किये। लाखों पेज के डॉक्यूमेंट पढ़े और सहेजे, एक एक ग्रंथ पढ़ा और संभाला उनका घर इन कागजातों से भर गया, साथ ही हर जानकारी उन्हे कंठस्थ भी हो गई। के. परासरण जी और अन्य साथी वकील जब जन्मभूमि की कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में उतरे तो उन्हें अकाट्य सबूत देने वाले यही व्यक्ति थे।6 दिसंबर 1992 को मंच से बड़े बड़े दिग्गज नेता कारसेवकों को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहे थे। तमाम निर्देश दिए जा रहे थे। बाबरी ढांचे को नुकसान न पहुँचाने की कसमें दी जा रहीं थीं, उस समय चंपत राय जी मंच से कुछ दूर स्थानीय युवाओं के साथ थे। एक पत्रकार ने चंपत राय से पूछा ₹अब क्या होगा ?₹ उन्होंने हँस कर उत्तर दिया ₹ये राम की वानर सेना है, सीटी की आवाज पर पी टी करने यहां नहीं आयी है। ये जो करने आयी है करके ही जाएगी।₹इतना कह उन्होंने एक बेलचा अपने हाथ में लिया और बाबरी ढांचे की ओर बढ़ गये, फिर सिर्फ जय श्री राम का नारा गूंजा और... इतिहास रचा गया।

चंपत राय को यूं ही राम मंदिर ट्रस्ट का सचिव नहीं बना दिया गया है। उन्होंने रामलला के श्रीचरणों में अपना सम्पूर्ण जीवन अर्पित किया है। प्यार से उन्हें लोग ₹रामलला का पटवारी₹ भी कहते हैं। यह व्यक्ति सनातन का योद्धा है। कोई मुंह फाड़ बकवास करता कायर नहीं...बाबरी ध्वंस के मुकदमों में कल्याण सिंह जी के बाद चंपत राय ने ही अदालत और जनसामान्य दोनों के सामने सदैव खुल कर उस घटना का दायित्व अपने ऊपर लिया। चम्पत राय कह चुके हैं, जैसे ही राममंदिर का शिखर देख लेंगे युवा पीढ़ी को मथुरा की जिम्मेदारी निभाने को प्रेरित करने में जुट जाएंगे₹।

चंपत राय जी धर्म की छोटी से छोटी चीजों का ध्यान रखने वाले तपस्वी और विद्वान हैं। एक बार वे किसी काम से काशी में किन्हीं के यहां रुके, तब रात्रि में देखा तो पाया कि बैड का डायरेक्शन कुछ ऐसा था कि सोते हुए पैर दक्षिण की तरफ हो रहे थे, उन्हें एक रात को भी यह स्वीकार नहीं था, रात में ही उन्होंने बैड का डायरेक्शन ठीक करवाया, तभी सोए। जो धोती कुर्ता पहनकर भारत का गाँव गाँव नापने वाला व्यक्ति अपने निजी जीवन में हिन्दू जीवन चर्या की छोटी छोटी बातों का हठ के साथ पालन करता है वह श्री राम मंदिर के संदर्भ में किस हद तक विचारशील और जुझारू होगा, समझा जा सकता है।